साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 3 | अंक : 47 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 29 जून से 5 जुलाई 2023 — ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

कुए की जहरीली गैस व विद्युत करंट से 4 लोगों की दर्दनाक मौत

» तिरोडा के सरांडी की घटना

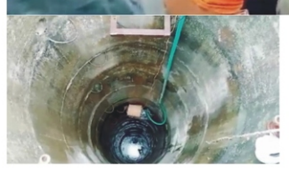

बुलंद। गोंदिया गोंदिया जिले के तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम सरांडी निवासी चार व्यक्तियों की कुए की जहरीली गैस से दम घुटने व विद्युत करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोड़ा से 10 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम सरांडी निवासी खेमराज साठवणे (46) के कुए का मोटर पंप मोटर पंप खराब हो गया था जिसे सुधारने के लिए कुएं में उतरा किंतु काफी समय तक बाहर नहीं आने से उसे देखने के लिए सचिन भोंगाडे (25) नीचे गया किंतु उसके भी ना आने से उन्हें बचाने के लिए प्रकाश भोंगाडे (47) व महेंद्र राऊत (31) सभी सरांडी निवासी कुए में उतरे किंतु कुए में विद्युत करंट लगने व जहरीली गैस की चपेट में आने से उनका दम घुट गया वह कुएं में ही उनकी मौत हो गई। उपरोक्त घटना बुधवार 28 जून की सुबह 9.30 बजे के करीब घटित हुई है। इस घटना की जानकारी ग्राम वासियों को मिलते ही तिरोड़ा पुलिस थाने वह जिला आपदा प्रबंधन विभाग को दी गई जिसके पश्चात पुलिस प्रशासन वह जिला आपदा प्रबंधन विभाग का दल घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शवो को कुवें से निकाला वह शव विच्छेदन के लिए तिरोड़ा के उप जिला चिकित्सालय में भेजा वह आगे की जांच तिरोडा पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्रेम के प्रतीक सारस पंछियों की घटती संख्या बन रही चिंता का कारण

3 वर्षों में 45 से 31 की संख्या पर पहुंचे सारस संवर्धन के 64 करोड़ का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय में खा रहा धूल

बुलंद गोंदिया। प्रेम के प्रतीक के रूप में जाना जाने वाला सारस पंछी पूरे महाराष्ट्र में सिर्फ गोंदिया जिले में ही पाया जाता है. किंतु अब उसकी घट रही संख्या चिंता का विषय बन रहा है। शासन द्वारा सारस पक्षियों का संवर्धन कर 1लाख पंछियों की संख्या पहुंचाने का दावा किया जा रहा हैं। तथा गत कुछ समय पूर्व न्यायालय के आदेश से सारस संवर्धन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा 64 करोड़ का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय में भेजा गया था जो वहां धूल खा रहा है।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष अनुसार 17 से 23 जून के दौरान 1 सप्ताह तक सारस पंछी गनना की गई थी जिसमें जिसमें काफी निराशाजनक आंकड़े सामने आए हैं। गोंदिया जिले में मात्र 31 सारस पंछी ही पाए गए हैं तथा भंडारा में 4 सारस पंछी गनना में पाए गए। जबकि महाराष्ट्र के इन दोनों जिलों से अधिक मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में सारस पंछियों की संख्या 49 पाई गई जिससे यह गोंदिया जिले के लिए एक दुखद खबर है।

उल्लेखनीय है कि सारस पंछियों के संरक्षण व संवर्धन को लेकर मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी जिस पर न्यायालय द्वारा वन विभाग व जिला प्रशासन को कड़ी फटकार लगाकर सारस पंछियों के संवर्धन एवं संरक्षण व उनके अधिवास का जल्द से जल्द उपाय योजना करने की करने का आदेश दिया था, किंतु उसके बावजूद भी संबंधित प्रशासन द्वारा अब तक किसी भी प्रकार की उपाय योजना नहीं की गई है जिसके चलते जिले में सारस पंछियों की संख्या में कमी आ रही है।

सारस पंछियों के 3 वर्ष के आंकड़े सारस पंछियों के गोंदिया जिले में गत 3 वर्षों के आंकड़े देखे देखा जाए तो वर्ष 2020 में 45, वर्ष 2021 में 39, वर्ष 2022 में 34 वर्ष 2023 में 31 सारस पाए गए हैं तथा 3 वर्षों में सारस पंछियों की संख्या में इजाफा होने की जगह 14 पंछियों की कमी दर्ज हुई है जो यह जिले के लिए चिंता का विषय बन रहा है।

संवर्धन के लिए विभिन्न विभागों का 64 करोड़ का प्रस्ताव न्यायालय के कड़ी फटकार के पश्चात जिला प्रशासन द्वारा सारस संवर्धन के लिए विभिन्न विभागों की एक संयुक्त समिति का गठन कर इसके उपाय योजना का प्रारूप बनाया था जिसमें महावितरण, वन विभाग, कृषि विभाग, सिंचाई विभाग वह जिला प्रशासन व अन्य विभागों द्वारा 64करोड़ का प्रस्ताव बनाकर महाराष्ट्र शासन के वित्त मंत्रालय को भेजा किंतु अब तक उस पर किसी भी प्रकार का निर्णय नहीं होने की जानकारी प्राप्त हुई है जिससे सारा संवर्धन की फाइल वित्त मंत्रालय में धूल खा रही है यदि इस पर तत्काल निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में हम प्रेम के प्रतीक सारस पंछियों को सिर्फ किताबों वह वीडियो में ही देख पाएंगे तथा गोंदिया जिले की यह विशिष्ट पहचान को हम खो देंगे जो महाराष्ट्र की शान है।

सारस पक्षी गणना में पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण तथा संवर्धन पर निरंतर कार्य करने वाली सेवा संस्था ने वनविभाग के साथ तथा स्वयंसेवी संस्थाओं व किसानों के साथ मिलकर सारस गणना की थी। इसके लिए 39 टीम गोंदिया में बालाघाट में 25 टीम बनाई गई। सुबह 5 बजे से 9 बजे तक अलग अलग टीम सदस्यों ने सारस के अधिवास, बाघ नदी, वैनगंगा नदी तथा तालाबों पर जाकर गणना की।

लेडी नटवरलाल ज्योति गर्ग पुलिस हिरासत में

» सैकड़ों लोगों के साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों का गबन करने का मामला

बुलंद गोंदिया। गोंदिया की महिला लेडी नटवरलाल ज्योति गर्ग आखिरकार पुलिस की हिरासत में आई गई जिसके द्वारा अनेकों मामलों में सैकड़ों लोगों के साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपए का गबन किया फिलहाल 2 मामलों में रामनगर पुलिस ने ज्योति गर्ग को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश जहां पुलिस हिरासत के पश्चात उसे भंडारा जेल रवाना किया गया। प्रकरण इस प्रकार है कि अनेक वर्षों से गोंदिया शहर व जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महिला बचत गट व फाइनेंस कंपनियों से 35 से 50त्न की सब्सिडी पर लोन दिलाने के नाम पर झांसा देकर सैकड़ों लोगों के साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपए का गबन करने वाली महिला लेडी नटवरलाल ज्योति राजेश गर्ग उम्र 38 वर्ष आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आई गई। रामनगर पुलिस द्वारा ज्योति गर्ग के खिलाफ दर्ज की गई 2 शिकायतों के मामलों में 26 जून को गिरफ्तार कर जेएमसी न्यायालय में पेश किया जहां 28 जून तक पुलिस हिरासत में न्यायालय द्वारा भेजा गया। जिसके पश्चात 28 जून को पुलिस कस्टडी से न्यायालीन कस्टडी में भेजकर भंडारा जेल रवाना किया। पहला प्रकरण इस प्रकार है कि फरियादी रस्तकला कठाने कटंगीटोला निवासी व अन्य महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की जिसमें उन्हें 35 से 50त्न तक सब्सिडी के तहत लोन दिलाने का लालच देकर 2लाख 27हजार का गबन किया। वही दूसरा मामला कृष्णपुरा वार्ड गोंदिया निवासी सोनाली चावके को लोन दिलाने के नाम पर 5लाख 40हजार से चूना लगाया था। इन दोनों प्रकरणों में पुलिस द्वारा जांच कर लेडी नटवरलाल ज्योति गर्ग को हिरासत में लिया। उपरोक्त मामले में रामनगर पुलिस थाने के निरीक्षक संदेश केंजले के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी सहायक फौजदार नामदेव बनकर ने जांच कर मामला न्यायालय में पेश किया था।

पूजा के नाम पर की धोखाधड़ी व अनेकों मामले दर्ज सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार लेडी नटवरलाल ज्योति गर्ग के खिलाफ अनेकों मामले दर्ज है जिसमें गत कुछ दिनों पूर्व एक महिला से पहले तो 3 से4 लाख रुपए ले लिए फिर पूजा पाठ के नाम पर उसके गहनों को एक लोटे में रखकर 21 दिनों तक ना देखने की बात कहकर करीब 3 से 4लाख रुपए के गहने भी गायब कर दिए थे। उपरोक्त मामला भी रामनगर पुलिस थाने में दर्ज है इसके अलावा और अनेक मामले ज्योति गर्ग के खिलाफ दर्ज है जिस की भी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

योजनाओं की सफलता के लिए जनसहभागिता जरूरी-अनिल पाटिल

जल जीवन मिशन लेवल-3 का प्रशिक्षण उत्साहपूर्वक प्रारंभ ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न अधिकारियों का प्रशिक्षण

बुलंद गोंदिया (संवाददाता देवरी)-जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल अभियान के तहत 2024 तक ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर में नल का पानी उपलब्ध कराने का उद्देश्य है। इसलिए, तहसील की प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन के माध्यम से नल जोड़े जाएंगे और प्रत्येक नागरिक को नल के माध्यम से पानी उपलब्ध होगा। इस योजना की सफलता के लिए ग्राम विकास के लिए जल जीवन मिशन को सफल बनाना सरपंचों सहित सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। और सभी को पहल करनी चाहिए। जल जीवन मिशन को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए जन-जन की भागीदारी बहुत जरूरी है, इसलिए अधिकारियों के साथ-साथ नागरिकों की भी भागीदारी बहुत जरूरी है। इस अवसर पर मार्गदर्शन देते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल ने कहा। वह जिला परिषद गोंदिया और मुख्य संसाधन केंद्र महाराष्ट्र ग्राम के सहयोग से देवरी तहसील के लोहारा ग्राम पंचायत के सभागार में आयोजित ग्राम पंचायत स्तर के विभिन्न अधिकारियों के दो दिवसीय अनिवासी प्रशिक्षण के उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ कर्मयोगी संत गाडगे महाराज के छायाचित्र का पूजन कर किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती सविताताई पुराम महिला एवं बाल कल्याण सभापति जि प गोंदिया, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, डि.डि. ढोरे गट विकास अधिकारी पंचायत समिती देवरी, राजेश उखळकर माहिती शिक्षण व संवाद सलाहकार जि. प. गोंदिया, कु. तृप्ती साकुरे मनुष्यबळ विकास सलाहकार जि. प. गोंदिया, सुबोध देशमुख मुख्य कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र दर्पण अमरावतीकी अध्यक्षता में उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षु के रूप में भाग लेने वाले सरपंच, उप-सरपंच, ग्राम सेवक, जल आपूर्ति कर्मचारी, आंगनवाड़ी सेवक, आशा कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सदस्य उपस्थित थे। सुबोध देशमुख मुख्य कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र दर्पण अमरावती ने जल जीवन मिशन की पहचान, मुख्य उद्देश्य, ग्राम जल आपूर्ति एवं स्वच्छता समिति के कार्य एवं जिम्मेदारी, नामांकन, जल आपूर्ति योजना कार्यान्वयन एवं रखरखाव-मरम्मत के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए संस्था के वरिष्ठ समाजशास्त्री सुमित जनबंधु जनसम्पर्क अधिकारी महाराष्ट्र ग्राम दर्पण, कुन्दन मेश्राम प्रशिक्षण समन्वयक कार्यान्वयन सहायक विजय मघाड़े ने बहुत मेहनत की।

गटर योजना बन रही जानलेवा एक ही दिन में 12 लोग दुर्घटना के शिकार

आक्रोशित नागरिकों ने हनुमान चौक में इंजीनियर व ठेकेदार को पहनाई फूलों की माला

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर में शुरू सत्यानाशी भूमिगत गटर लाइन के भ्रष्टाचारी कार्यो से आहत नागरिकों ने सिविल लाइन हनुमान चौक परिसर में ठेका कंपनी के स्पॉट में मौजूद इंजीनियर व ठेकेदार को फूलों की माला पहनाकर उनके कार्यो से लोगो के दुर्घटनाग्रस्त होने पर स्वागत कर अपना गुस्सा प्रकट किया।

विशेष यह है कि 21 जून को शाम के दौरान आयी बारिश के चलते करीब 10-12 लोग सड़क के बीच में खोदी जा रही एवं लापरवाह तरीके से बनायी जा रही गटर लाइन के गड्ढों के शिकार हुए। इनमें दो राहगीरों को अधिक चोटे आयी है। इसी दुर्घटना को लेकर हनुमान चौक में आज ठेका कंपनी के इंजीनियर व ठेकेदार को फूलों की माला पहनाकर इस कार्य मे बरती जा रही लापरवाही का विरोध प्रकट किया।

स्थानीय निवासी सागर कदम ने कहा कि पूरे शहर में शुरू गटर लाइन का कार्य नियोजनबद्ध तरीके से नही किया जा रहा है। पाइप लाइन डालकर गड्डों की सही मरम्मत नही की जा रही, जिससे सड़क में गड्ढे निर्माण हो रहे है। अबतक अनेक मामले दुर्घटना के सामने आ चुके है बावजूद ठेका कंपनी अपनी हरकतों से बाज नही आ रही है। आज 12 लोग गिरे, कल कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है।

नागरिकों ने कहा, जिस तरह शहर में कुछ सडकों को विशेष तौर पर गटर लाइन के बाद बेहतर तरीके से बनाया गया है उसी तरह हर सड़क पर कार्य किया जाए। इस मार्ग के आसपास बड़े बड़े अस्पताल है जहाँ नागरिकों को रोजमर्रा आवागमन करना पड़ता है। बारिश का समय आ गया है ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों ने संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई के आदेश देना चाहिए।

मधुमक्खियों के हमले में महिला की मौत

तिरोड़ा-रानी अवंतीबाई वार्ड लोधीटोला निवासी कलाबाई कुंजीलाल बहेरवार (60) की मधुमक्खिया काटने से मृत्यु हो गई। लोधीटोला के दुग्ध व्यवसायी धोंडु लिखारे की बहन कलाबाई का विवाह इसी गांव में हुआ था। कुंजीलाल बहेरवार के साथ लगभग 20 वर्ष पूर्व इनके पति का देहांत होने से अपने भाई के घर पर रहकर ही गाय भैंस चराने ले जाती थी। प्रतिदिन की तरह ही कल 25 जून को गाय भैंस चराने शहर के पास पारसनगरी परिसर के खेतों में गई थी। तब मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। गंभीर अवस्था में उसे गोंदिया के बजाज अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान कलाबाई की मृत्यु हो गई।

संपादकिय...

आगे बढ़ी विपक्षी एकता की गाड़ी आगे है अभी असली परीक्षा

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष लामबंद होना शुरू हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में 17 विपक्षी दलों की बैठक में एकता देखने को मिली। हालांकि, 2024 में बीजेपी को टक्कर देने में इस विपक्षी एकता के गठबंधन का असल इम्तिहान अभी बाकी है। विपक्षी दलों की पटना में हुई बहुप्रतीक्षित बैठक तत्काल कोई नतीजा देती हुई नहीं दिखी। बैठक के बाद मीडिया को बताने के लिए कोई भी बड़ा निष्कर्ष इन नेताओं के पास नहीं था। ले-देकर यही कह सके कि उनके बीच बातचीत और विचार-विमर्श का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। इस क्रम में अगली बैठक शिमला में करने की बात जरूर कही गई। यह बात भी ध्यान खींचने वाली कही जाएगी कि जो दल पटना की बैठक में शामिल हुए उनमें भी पूरी तरह एका नहीं बना रह सका। आम आदमी पार्टी के नेता बैठक में आने से पहले से कह रहे थे कि उनके लिए सबसे बडा मुद्दा है केंद्र सरकार के अध्यादेश का विरोध सुनिश्चित करना। इन दलों में कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी थी जिसने अध्यादेश पर अपना रुख साफ नहीं किया था। आम आदमी पार्टी के जोर देने के बावजूद वह इस पर कमिटमेंट देने को तैयार नहीं हुई। नतीजा यह कि बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में भी आप के नेता शामिल नहीं हुए और उन्होंने यह भी कह दिया कि आगे वे ऐसी किसी बैठक में शामिल नहीं होंगे जिसमें कांग्रेस की मौजूदगी हो। देखा जाए तो यह विपक्षी दलों की एकजुटता की प्रक्रिया को एक तगड़ा झटका है। लेकिन इन सबके बावजूद इस प्रक्रिया की अहमियत को कम करने आंकना सही नहीं होगा। इसे सही ढंग से समझने के लिए जरूरी है कि छह महीने या साल भर पहले की इन दलों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस पर विचार किया जाए। उस वक्त जो विपक्षी एकजुटता के प्रयास किए जा रहे थे, उसके केंद्र में तीसरा मोर्चा बनाने की बात थी। उन दलों में कई कांग्रेस को साथ लेने के प्रबल विरोधी थे। ऐसे में कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी एकता के प्रयास शुरू होने की बात सोची भी नहीं जा सकती थी। संभवतः इसीलिए नीतीश कुमार को इसका जिम्मा सौंपा गया और उसके अच्छे नतीजे भी दिखने लगे। हालांकि उसके बाद भी यह स्थिति थी कि पहली बैठक कांग्रेस की मेजबानी में बुलाई हुई न लगे, इसीलिए नीतीश कुमार को पटना में अपने घर पर यह बैठक रखने के लिए कहा गया। ऐसे में अगली बैठक कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश में करने पर आम सहमति बन जाना कम बड़ी बात नहीं है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आप को छोड़ दें तो किसी भी दूसरी पार्टी ने किसी भी विवादित मसले पर कोई ऐसी बात नहीं कही जिससे वार्ता प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा आने का अंदेशा हो। हालांकि ऐसे विवादित बिंदुओं की कमी नहीं है, और वे उठेंगे ही इस प्रक्रिया में। असल सवाल यही है कि जब वे उठेंगे तब उन्हें हल करने में कितनी समझदारी और कितनी कुशलता दिखाई जाती है। इसी पर निर्भर करेगा 2024 के चुनावी समर के लिए तैयार किए जा रहे इस साझा मोर्चे का भविष्य।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विशेष

किशोरों में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण चिंता का सबब

नशीले पदार्थों की बढ़ती तस्करी और नशे के गिरफ्त में जकड़ती युवा पीढ़ी समस्त मानवजाति के लिए चिंता का सबब बनी है। आये दिन अखबारों, न्यूज़ चैनलों पर नशीले पदार्थों के तस्करी की खबरें देखने-पढ़ने मिलती है। तेजी से यह नशीले पदार्थों का व्यापार बढ़ रहा है जिसमें युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। नशा नाश करने का ही दूसरा नाम है, जो मनुष्य के मष्तिस्क को वश में कर उसे हर तरह से बर्बाद करता है। शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक अर्थात हर तरह से नशा मनुष्य को खोखला करते जाता है। बीमारियां, शारीरिक असंतुलन, भ्रम, द्वेष, क्रोध जैसी स्थिति में वृद्धि होकर परिवार में कलह बढ़ता है। अपराधों को बढ़ाने में नशा मुख्य भूमिका में होता है, आधे से ज्यादा अपराध नशे में या नशे के लिए किये जाते है। आजकल अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है और नशे का कारोबार भी चरम पर है।

नशेड़ियों को समाज में तुच्छ नजरिए से देखा जाता है, अपने लोग और नाते-रिश्तेदार भी उनसे दूरिया बनाते है। नशे में पैसों की बर्बादी होकर समाज में मान प्रतिष्ठा भी तेजी से घटती है। नशे में मनुष्य की सोच-विचार की शक्ति क्षीण हो जाती है। नशेड़ियों के संपर्क में रहने वाले सभी लोग परेशान रहते है, जीवन की खुशियां गुम होने लगती है। लोगों द्वारा तिरस्कार किया जाता है। कई बार तो परिवार के लोग, आस- पडोसी नशेड़ियों से इतने तंग आ जाते है कि उनके मौत की कामना तक करने लगते है। नशेड़ियों को समाज में कोई भी अच्छा नहीं मानते क्योंकि वे समाज के लिए समस्या बने है। नशेड़ियों को कोई भी काम पर नहीं रखना चाहता है। नतीजतन, वे पैसों के तंगी के कारण अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ रहते हैं। नशा करने के लिए नशेड़ी अपराध करने को भी तैयार होते हैं। जिससे समाज में गरीबी, नशा और अपराध का चक्र ऐसे ही चलता है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया को पाने में आवश्यक कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए हर साल 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्व भर में जागरूकता हेतु मनाया जाता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वाले बहुत से व्यसनी लोग कलंक और भेदभाव का सामना करते हैं और जिसके कारण उन्हें योग्य उपचार, आवश्यक सहायता प्राप्त नहीं होती है। इस साल 2023 की थीम लोग पहले - कलंक और भेदभाव को रोकें, रोकथाम को मजबूत करें यह हैं। इस वर्ष के अभियान का उद्देश्य ड्रग्स का उपयोग करने वाले नशेड़ी लोगों के साथ सम्मान और सहानुभूति के साथ व्यवहार करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है; ताकि उन नशेड़ी लोगों को पुनः एक बार हम सब की मदद से नशामुक्त होकर सम्मान से जीने का मौका मिल सकें।

बाल अधिकार संरक्षण के राष्ट्रीय आयोग द्वारा किए गए अध्ययन अनुसार, देश में तम्बाकू और शराब किशोरों के बीच दुर्व्यवहार की सबसे आम लत हैं, इसके बाद इनहेलेंट और कैनबिस हैं। औसत आयु 12 वर्ष से तम्बाकू के उपयोग की शुरुआत की थी, एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 46%किशोरों ने इससे भी कम उम्र में ही धूम्रपान और तंबाकू, साथ ही शराब और मारिजुआना शुरू कर दिया था। शहरों के कई मलिन बस्तियों या कई ग्रामीण इलाकों में 6-7 वर्ष के बच्चे भी नशीला ज्वलनशील पदार्थ सूंघते या तंबाकू खाते नजर आते है। 2022 में किशोरों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के 26,629 मामले दर्ज किए गए, जो कि 2016 से 300त्न की वृद्धि दर्शाते हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार, देश में 6 करोड़ से अधिक ड्रग उपयोगकर्ता हैं जिनमें बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता 10-17 वर्ष की आयु के हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर द्वारा स्कूली छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन पर किए गए एक अध्ययन के दौरान पता चला है कि, सर्वेक्षण में शामिल 14 छात्रों में से 1 ने पिछले महीने में किसी न किसी मादक पदार्थ का इस्तेमाल किया था। यह सर्वेक्षण मई 2019-जून 2020 के दौरान कक्षा 8-12 के लगभग 6,000 स्कूली छात्रों पर हुआ। सर्वेक्षण में पाया गया कि 10त्न से अधिक छात्र पूर्ववर्ती के दौरान मादक द्रव्यों के सेवन (इनहेलेंट, कैनबिस, ओपिओइड से लेकर शराब और तंबाकू तक) में लिप्त थे। एक वर्ष में उपयोग अनुसार विश्लेषण से पता चला कि 4त्न ने तम्बाकू का उपयोग किया, इसके बाद शराब 3.8त्न, ओपिओइड 2.8त्न (अफीम, हेरोइन और फार्मास्युटिकल ओपिओइड), कैनबिस (भांग, चरस और गांजा) 2त्न और इनहेलेंट का 1.9त्न ने नशा किया है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकिएट्री ने एक मेटा-विश्लेषण में कहा कि, स्कूल जाने वाले छात्रों में मादक द्रव्यों के सेवन का प्रचलन 18त्न तक है।

पिछले आठ वर्षों में भारत में नशीली दवाओं के उपयोग में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, देश में लगभग 10 करोड़ व्यसनियों की संख्या है। संयुक्त राष्ट्र अनुसार, भारत देश में 13 प्रतिशत ड्रग नशेड़ी 20 वर्ष से कम आयु के हैं। देश के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने पिछले रिपोर्ट में अनुमानित नशीली दवाओं के उपयोग पर आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें दिखाया गया है कि 3.1 करोड़ कैनबिस उपयोगकर्ता, 2.4 करोड़ ओपिओइड उपयोगकर्ता और 77 लाख इनहेलर का उपयोग कर रहे थे। सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को ड्रग-फ्री बनाना है।

आज के आधुनिक युग में बच्चे काफी सक्रिय और महत्वाकांक्षी नजर आते हैं। बच्चे जल्दी ही स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि आधुनिकता और इंटरनेट ने बच्चों को काफी जल्दी बड़ा कर दिया हैं। अधिकतर पालक भी यही कहते है कि उनके बच्चे बहुत होशियार और होनहार है। सभी पालकों को अपने बच्चों पर गर्व होता है, यह अच्छी बात है, लेकिन आज के समय में बच्चों की अच्छी-बुरी सभी हरकतों पर पालकों का ध्यान रहना बहुत ज्यादा जरूरी हो गया हैं। बच्चों के सम्पूर्ण दिवस की दिनचर्या, बच्चों के मित्रगण, सहपाठी, बच्चे किनसे मिलते हैं, कहां आते-जाते हैं, कहां समय बिताते हैं यह सब जानकारी पालकों को पता होनी ही चाहिए। बच्चों का अपने पालकों से झूठ बोलना और अवैध गतिविधियों में लिप्त होना आजकल बहुत बढ़ गया हैं। नशे की ओर बढ़ती युवा पीढ़ी समाज के लिए अभिशाप बनकर उभरी हैं। बच्चों को इसी उम्र में संभालने की ज्यादा आवश्यकता होती हैं। पालकों का व्यस्थता का बहाना और उनका बच्चों पर अंधा विश्वास यह बच्चे के उज्जवल भविष्य को बर्बादी की ओर मोड़ता हैं। पालकों ने बच्चों से एक मित्र की भांति रहना चाहिए ताकि बोलचाल या व्यवहार में बच्चों को कोई झिझक न रहें, बच्चों के साथ समय बिताएं, बच्चों की जिज्ञासा और स्वभाव अनुसार उनका व्यवहार समझें, झूठे दिखावे से बचें, अच्छे-बुरे की उनसे बातें साझा करें। बच्चों के सामने अनुचित व्यवहार कभी भी न करें। बच्चों के सामने पालकों द्वारा नशा करना बेहद शर्मनाक बात है। आज के बच्चें कल देश के उज्जवल भविष्य हैं, आज की युवा पीढ़ी नशे में चूर हो रही हैं, उन्हें नशे से बचाने की जिम्मेदारी पालकों पर हैं। अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाना ही पालकों का परम कर्तव्य हैं। देश को नशामुक्त बनाने में पालकों के साथ, शिक्षक, समाज और सरकार की जिम्मेदारी भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि आप या परिवार का कोई सदस्य मादक द्रव्यों के सेवन का शिकार है, तो आप सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित नशा मुक्त भारत अभियान के राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14446 के माध्यम से मदद ले सकते हैं।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पूरा दिन ब्लड शुगर को नॉर्मल रखना चाहते हैं तो इन 4 गलतियों को भूलकर भी नहीं दोहराएं, पूरा दिन ब्लड शुगर रहेगी कंट्रोल

डायबिटीज के मरीज सुबह के नाश्ते में फाइबर वाले फूड्स को शामिल करें। फाइबर पचने में समय लेता है और ब्लड में शुगर का स्तर भी बढ़ने नहीं देता।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करना चाहते हैं तो सुबह जागने के एक से डेढ़ घंटे बाद नाश्ता जरूर करें। नाश्ता स्किप करने से शुगर हाई रहती है।

डायबिटीज एक ऐसी क्रॉनिक बीमारी है जिसका कोई इलाज नहीं किया जा सकता है सिर्फ इसे कंट्रोल में रखा जा सकता है। रक्त में शुगर का स्तर अगर कंट्रोल रहेगा तो कई क्रॉनिक बीमारियां जैसे दिल के रोग,किडनी,लंग्स और आंखों को इस बीमारी के जोखिम से बचाया जा सकता है। डायबिटीज के मरीजों की फॉस्टिंग शुगर अक्सर हाई रहती है। खाली पेट ब्लड शुगर बढ़ने के लिए हार्मोन्स जिम्मेदार हैं। रात में सोते समय शरीर में हार्मोन्स को कंट्रोल करने के लिए ज्यादा मात्रा में इंसुलिन का उत्पादन होता है जिसकी वजह से सुबह उठने के बाद शरीर में शुगर का स्तर ज्यादा होता है।

सुबह के समय अगर नाश्ते में कुछ गलतियां नहीं की जाए और कुछ खास फूड्स का सेवन किया जाए तो आसानी से पूरे दिन ब्लड में शुगर का स्तर नॉर्मल रखा जा सकता है। आइए जानते हैं कि हाई ब्लड शुगर के मरीजों को सुबह का नाश्ता करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और कौन सी गलतियों को करने से बचना चाहिए।

सुबह का नाश्ता उठने के एक से दो घंटे में जरूर करें

डायबिटीज के मरीजों की फॉस्टिंग शुगर हाई होती है इसलिए डायबिटीज के मरीज सुबह का नाश्ता भूलकर भी स्किप नहीं करें। सुबह उठते ही एक से दो घंटे में सुबह का नाश्ता करें। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह का समय पर नाश्ता नहीं करते तो पूरा दिन ब्लड में शुगर का स्तर ज्यादा रहता है।

सुबह के नाश्ते में करें इन चीजों को शामिल

डायबिटीज के मरीज सुबह के नाश्ते में ऑयली,मसालेदार पूरी सब्जी या कचौड़ी का सेवन नहीं करें। सुबह के नाश्ते में फाइबर वाले फूड्स को शामिल करें। फाइबर पचने में समय लेता है और ब्लड में शुगर का स्तर भी बढ़ने नहीं देता। आप सुबह के नाश्ते में आधी कटोरी अंकुरित अनाज और एक गिलास बिना क्रीम वाला दूध लें। नाश्ते में नींबू पानी और एक सीजनल फल को शामिल करें। फाइबर की कमी को पूरा करने के लिए एवोकाडो, राजमा, फलिया, ब्रोकली और सोयाबीन को नाश्ते में शामिल कर सकते हैं।

नाश्ते से प्रोटीन को स्किप नहीं करें

प्रोटीन हमारी डाइट का अहम हिस्सा है। डायबिटीज के मरीज नाश्ते में प्रोटीन का सेवन करने से परहेज नहीं करें। प्रोटीन पेट को लम्बे समय तक भरा रखता है और ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करता है। सुबह के नाश्ते में आप प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए दूध,दाल और सूखे मेवे का सेवन करें।

हेल्दी फैट भी है जरूरी

हेल्थलाइन के अनुसार बॉडी में फैट की कमी भी शुगर को बढ़ा सकती है। डायबिटीज के मरीज हेल्दी फैट को सुबह के नाश्ते में शामिल करें। हेल्दी फैट वाले फूड्स में जैतून, कनोला, अखरोट का सेवन करें ब्लड शुगर कंट्रोल रहेगा। बॉडी में फैट की कमी को पूरा करने के लिए आप अंडे, मछली और बादाम का सेवन कर सकते हैं।

धापेवाड़ा उपसा सिंचाई चरण-2 का निरीक्षण 15 जुलाई के बाद- विधायक विजय रहांगडाले

बुलंद गोंदिया- विधायक विजय रहांगडाले क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और किसानों को जल्द से जल्द धापेवाड़ा चरण 2 का पानी मिले इसके लिए मंत्रालय और विभागीय स्तर पर हर पखवाड़े समीक्षा की जा रही है. एक बैठक सिंचाई कार्यों के लिए आयोजित की गई थी. जिसमें मुख्य रूप से धापेवाड़ा चरण 2 योजना के पंप हाउस के निर्माण कार्यों का यांत्रिक विभाग द्वारा निरीक्षण किया जाएगा और विद्युत विभाग के तहत कार्यों को 15 जुलाई तक पूरा किया जाएगा। धापेवाड़ा उपसा सिंचाई चरण-2 के अंतर्गत चोरखमारा व बोदलकसा तालाब के अंतर्गत वितरण प्रणाली जिससे किसानों के खेतों तक पानी जाएगा. वितरण प्रणाली को नवीनीकृत करना आवश्यक है और यह सिंचाई प्रणाली प्रदान करने के कार्य के समन्वय के संदर्भ में फायदेमंद होगा. जिसमें बोदालकसा प्रकल्प पर 2022-23 में 158.43 लाख के मरम्मत कार्य प्रगति पर हैं। चोरखमारा प्रकल्प पर 79.61 लाख के मरम्मत कार्य प्रगति पर हैं और 2023-24 में दोनों तलाबों की मरम्मत के लिए 290.77 करोड़ की योजना बनाई गई है. तिरोड़ा तहसील के मेंढा और पालडोंगरी में मामा तलाब की मरम्मत के लिए 2016 में 95.98 लाख रु. के कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। उक्त कार्य अभी तक शुरू नहीं होने पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त की। विभाग के माध्यम से बताया गया कि टेंडर प्रक्रिया होगी. विभाग के माध्यम से जानकारी दी गई कि टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर कार्य तेजी से कराये जायेंगे. धापेवाड़ा उपसा सिंचाई चरण-1 योजना के पंप अवधि समाप्त होने के कारण बार-बार खराब होने के कारण विभाग के माध्यम से विधायकों को अवगत कराया गया कि उक्त कार्य के लिए 10-12 करोड़ की निधि की आवश्यकता है. विधायक ने गवाही दी कि वह तुरंत मंत्री से मांग करेंगे. नीमगांव (आंबेनाला) मिनी प्रकल्प के कार्य पर चर्चा की गई. नीमगांव प्रकल्प को छोड़कर, दोनों किनारों पर मिट्टी का काम 1974 से 1984 तक पूरा किया गया था और वन संरक्षण अधिनियम के कार्यान्वयन के कारण प्रकल्प का काम शुरू नहीं किया गया था. विधायक रहांगडाले ने इस प्रकल्प के काम को आगे बढ़ाया है और महाराष्ट्र सरकार ने 24 अपैल 2023 को केंद्र सरकार को एक अनुपालन रिपोर्ट सौंपी है. विभाग ने सूचित किया है कि उक्त प्रकल्प के लिए कैट प्लान को मंजूरी दे दी गई है और इसे प्रस्तुत किया गया है. इस अवसर पर कार्यकारी संचालक राजेंद्र मोहिते, मुख्य अभियंता आशीष देवगड़े, प्रकाश पवार, अधीक्षक अभियंता क.सू. वेमुलकोंडा, पराते, जे.एम. गंटावार, अंकुर कापसे, सोनाली सोनूले, गायधने उपस्थित थे।

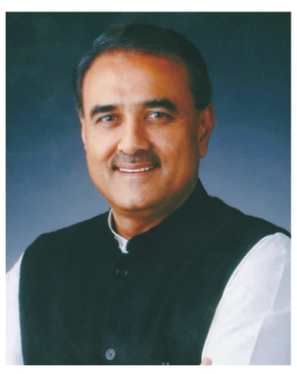

सांसद प्रफुल पटेल आज और कल नागपूर-भंडारा-गोंदिया मे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर भव्य जाहीर सत्कार समारोह आयोजित

बुलंद गोंदिया। सांसद प्रफुल पटेल का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्ती होने के बाद भंडारा - गोंदिया जिल्हे मे प्रथम आगमन पर 29 व 30 जून को भंडारा - गोंदिया जिल्हे मे आयोजित भव्य जाहीर सत्कार समारोह हेतू उपस्थित रहेंगे।

प्रफुल पटेल 29 जून 2023 को सुबह 11.00 बजे कोहिनूर लॉन, स्वामी नारायण मंदीर के पास वाठोडा रोड, नागपूर, दोपहर 3.00 बजे हेमंत सेलिब्रेशन, नागपूर रोड, भंडारा शुक्रवार 30 जून 2023 को सुबह11.00 बजे एन एम डी कॉलेज सभागृह, गोंदिया मे भव्य सत्कार समारोह आयोजित किया गया है। उपरोक्त कार्यक्रम मे अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित रहे कि अपील नागपूर - भंडारा - गोंदिया जिल्हा राष्ट्वादी कॉंग्रेस पार्टी ने कि है।

मृतक मजदूर के परिवार को 4 लाख का चेक सौंपा

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत ग्राम एडमाकोट निवासी महिला कामगार श्रीमती मंगला हेमचंद नारनवरे की बिजली गिरने से मौत हो गई थी। जिसमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा मृतक के परिवार को 400000 की सहायता राशि की घोषणा की थी। जिसका चेक तिरोड़ा गोरेगांव के विधायक विजय राहंगडाले द्वारा मृतक के परिवार को सौंपा। इस अवसर पर तिरोड़ा के तहसीलदार गजानन कोकड़े, वरिष्ठ लिपिक सावन लिल्हारे व एस डब्लू घुरनुले उपस्थित थे।

भारतीय राजनीति में स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व जनसंघ की भूमिका महत्वपूर्ण-पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। भारतीय जनसंघ के संस्थापक व देश के पहले उद्योग मंत्री स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि व केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के यशस्वी 9 वर्ष पूर्ण होने पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता व सदस्यों को शाल व श्रीफल देकर उनका सत्कार किया गया। अपने संबोधन में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि भारतीय राजनीति में स्व.श्यामा प्रसाद मुखर्जी और जनसंघ की भूमिका महत्वपूर्ण है तथा उनके आदर्शों पर चलकर जनसंघ और वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी ने देश की संसद में 2 सांसदों से 302 सांसदों का यशस्वी प्रवास पूर्ण किया है। भाजपा की वर्तमान मोदी सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 तक सभी को पक्के मकान देने की असंभव सी लगती घोषणा की थी किंतु आज उनके कार्यकाल में 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के मकान व 11 करोड़ से अधिक लोगों को शौचालय मिल चुका है। वहीं गत 3 वर्षों से केंद्र सरकार हर जरूरतमंद को निशुल्क राशन उपलब्ध करा रही है साथ ही दो दो बार कोरोना वैक्सीन निशुल्क उपलब्ध कराना यह आसान कार्य नहीं था। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंडे ने कहा कि गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को आज के दिन सम्मानित करने का यह कार्य सराहनीय है तथा केंद्र की मोदी सरकार के लोकहित कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहले अपंग कहलाने वाले नागरिकों को दिव्यांग का दर्जा देकर मोदी सरकार ने हर दिव्यांग को सम्मानित किया है। देश में 400 वर्षों से विवादित राम मंदिर निर्माण के प्रश्न को हमेशा के लिए हल कर हर हिंदू को सम्मानित किया वहीं कश्मीर में धारा 370 हटा कर संपूर्ण भारत को अखंड भारत बनाया है। तथा मोदी सरकार ने दशकों के प्रलंबित प्रश्नों को हल करने में सफलता प्राप्त की। उपरोक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नागपुर से अरविंद शहापुरकर भंडारा से रामदास सहारे उपस्थित थे। व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सांसद सुनील मेंडे, केशवराव मानकर, राजेश केलंका,अशोक व्याहारे,दिनेश दादरीवाल, राजकुमार तिवारी ,राधेश्याम शर्मा ,महेश आहूजा, डॉक्टर गंगाधर डुलानी, राजू दास, संजय काकड़कर, बंडू जोशी ,ढोक मैडम, शिवराम मेश्राम, गोपाल मुरझानी, वसंत चुटे, उमेंद्र, अभिषेक, रामकिशन सहित 200 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं का सत्कार किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा अध्यक्ष केशवराव मानकर, जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले। विजय सिवनकर रमेशभाऊ कुथे, गजेंद्र फुंडे, नेतराम कटरे ,अशोक इंगले, अशोक चौधरी, रतन वासनिक, संजय टेंभरे ,सुनील केलंका, दिनेश दादरीवाल, प्रकाश रहमतकर, अर्जुन नागपुरे ,जयंत शुक्ला, राजेश चतुर, माधुरी हरिनखेडे, निर्मला मिश्रा, अमित झा, भरत छत्रिय, पूजा तिवारी, धर्मिष्ठा सेंगर, रीता बागड़े ,मौसमी भालाधरे, प्रमिला सिंधरामें, संजय मुरकुटे, गोल्डी गावंडे, बबली ठाकुर, गुड्डू चंदवानी, खलील पठान, पूरनलाल पाथोड़े विजय उके, रितेश मलगाम, योगराज रहांगडालेसहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रोग्रेसिव स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बुलंद गोंदिया– श्रीमती उमा देवी बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था गोंदिया द्वारा संचालित प्रोग्रेसिव स्कूल गोंदिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संस्था अध्यक्ष डॉ पंकज कटकवार सचिव डॉ नीरज कटकवार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर सभी शिक्षक तथा कर्मचारियों ने योगासन में भाग लिया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर योगासन के महत्व पर कार्यशाला भी आयोजित की गई। प्राचार्य ओ टी राहंगडाले, वाय आशा राव, मीनाक्षी महापात्र ,रूपकला राहंगडाले, विकास पटले, स्मिता शुक्ला भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु योग प्रशिक्षक हेमा नायडू, डॉली गजभिये, मुकेश सेंडे ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कामगारों को मिलेगा न्याय मैं उनके साथ-सांसद सुनील मेंढे

अनेक वर्षों से कार्यरत कामगारों के परिवारो पर भुकमरी की नौबत बिरसी एयरपोर्ट मे ठेकेदारी पद्धति से काम करने वाले कामगारों को निकाला कार्य से

बुलंद गोंदिया। संवाददाता खातीया – बिरसी एयरपोर्ट मे ठेकेदारी पद्धति से गत 10-12 वर्षो काम कर रहे कामगारों को ठेकेदार द्वारा कामगारों से उनकी पगार मे से आधे रूपये मांगे जाने पर कामगारों द्वारा उन्हे नही दिये जाने पर कामगारों को काम से निकाल दिया गया जिसकी शिकायत एक निवेदन के माध्यम से सांसद सुनील मेंढे को देकर उनके साथ हो रहे अन्याय से अवगत कराया। जिस पर सांसद सुनील मेंढे ने 20 जून को बिरसी एयरपोर्ट पर ली जिसमे बिरसी एयरपोर्ट के निदेशक सफिक शाह, बिरसी एयरपोर्ट समिति सदस्य गजेंद्र फुंडे,रावनवाडी थाने के थानेदार अभिजीत भुजबल, ग्राम बिरसी के उपसंरपच उमेशसिंह पंडेले,कामठा के सामाजिक कार्यकर्ता सतीश जगने,खातिया ग्राम के संरपच ललीत तावाडे, ग्राम पंचायत सदस्य विजेन्द्र मेश्राम, झिलमिली ग्राम के संरपच ओमकार बहेकार,परससवाडा के ग्राम पंचायत सदस्य डेलेन्द्र हरीनखेडे,पांजरा ग्राम पंचायत सदस्य देवचंद नागपुरे, महेंद्र देशमुख, बिरसी एयरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारि उसी प्रकार निकाले गए कामगार आदी प्रमुखता से उपस्थित थे। सभा मे कामगारो ने अनेक आरोप लगाते हुए काम पर से निकलने के पिछे बिरसी एयरपोर्ट के संचालक शफिक शाह व ठेकेदार बोरा को बताया सांसद सुनील मेंढे ने सभा मे कामगारो को आश्वस्त कराते हुए यह बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों से बिरसी एयरपोर्ट के अधिकारियों शिकायत कर इस मामले की जाच कार्यवाही की जायेगी ऐसे बताते हुए मै कामगारो को न्याय दिलाने मे उनके साथ हमेशा खड़ा हु यह कहा। यह बता दे कि इसके पुर्व क्षेत्र के 6 ग्रामो के संरपच उपसंरपच व ग्राम पंचायत सदस्यो इनके माध्यम से कामगार मजदुरो से उनकी मजदुरी मांगने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई किये जाने का निवेदन बिरसी एयरपोर्ट के निदेशक सफिक शाह को दिया गया था परन्तु कोई भी कार्रवाई नही होते देख निकाले गए कामगारों ने इसकी शिकायत सांसद सुनील मेंढे से निवेदन देकर कि अब देखना यह है कि कामगारों द्वारा आगे कोनसा कदम उठाया जाएगा और क्या उन्हे बिरसी एयरपोर्ट पर फिर से काम पर रखा जायेगा या नही अभी कामगारो के पास काम नही होने से आर्थिक संकट कि परिस्थितियो से जूझना पड़ रहा है।

ट्रक ने दुपहिया को मारी भीषण टक्कर पिता पुत्र की घटनास्थल पर मौत

बुलंद गोंदिया (संवाददाता देवरी)- गोंदिया जिले के अंतर्गत आने वाले नेशनल हाईवे 6 पर डोगरगांव डेपो मार्ग मासुलकसा घाट पर ट्रक चालक द्वारा दुपहिया सवार को जबरदस्त टक्कर मार दी इस दुर्घटना में पिता और पुत्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिता सेवक पोंगले उम्र 60 वर्ष व उसका पुत्र सुनील पोंगले उम्र 35 वर्ष नागपुर से अपने दुपहिया क्रमांक एम एच 35 डब्लु 0328 पर सवार होकर देवरी तहसील के ग्राम लोहारा स्थित अपने ग्राम की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ट्रक क्रमांक सीजी 08 एके 8822 द्वारा साइट से दुपहिया सवार को जबरदस्त टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पिता-पुत्र के शरीर के चिथड़े चिथड़े उड़ गए उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

उपरोक्त घटना देवरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में होने से इस घटना की जानकारी देवरी पुलिस को प्राप्त होते ही घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

बाढ़ की स्थिति में सावधानी बरतें : जिलाधीश चिन्मय गोतमारे

खतरे के स्तर से ऊपर पानी वाली नदियों और नालों को पार न करें

गोंदिया -मानसून शुरू हो चुका है और ऐसे में खतरे की आशंका बनी हुई है. जान से बढ़कर कुछ नहीं है, इसलिए नागरिकों को बाढ़ की स्थिति में अपनी जान का विशेष ख्याल रखना चाहिए और किसी खतरनाक घटना का शिकार नहीं होना चाहिए. नागरिक बाढ़ आने पर नदी या नाला पार न करें, ऐसी अपील जिलाधीश चिन्मय गोतमारे ने जिलाधीश कार्यालय के सभागृह में मानसून व बाढ की स्थिति को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की है. बरसात के मौसम में सड़कें बह जाना, पुल बह जाना, नालियां चोक हो जाना जैसी घटनाएं होती रहती हैं. इसलिए वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. जिलाधीश गोतमारे ने यह भी कहा कि बरसात के दौरान सड़क पर कीचड़ होने पर वाहनों की गति पर नियंत्रण रखें. इस अवसर पर जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, निवासी उप जिलाधीश स्मिता बेलपत्रे, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी हिंदूराव चव्हाण और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे उपस्थित थे. जिले में हाल ही में बारिश ने जोरदार दस्तक दी है और 27 जून को भारी बारिश दर्ज की गई. इस बीच, अर्जुनी मोरगांव तहसील में पिंपलगांव-अरततोंडी के बीच नहर पर बने पुल से बहते बाढ़ के पानी में लगभग 50 साल के अरविंद गणपत ठाकरे बह गए. इसके अलावा 28 जून को तिरोडा तहसील के सरांडी में एक कुएं में 4 लोगों की मौत की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई. प्राथमिक तौर पर यह देखा जा रहा है कि उक्त घटना कुएं में लगे मोटर पंप को निकालने के दौरान करंट या जहरीली गैस के कारण हुई है. जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने बताया कि उक्त चारों लोगों की मौत के मुख्य कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएंगा.

बाढ़ की स्थिति में, जब नदी और नहर पर बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा हो, तो कोई भी वाहन पार नहीं करना चाहिए और यहां तक कि पैदल चलने का भी प्रयास नहीं करना चाहिए. बच्चों को सेल्फी लेने के लिए नदी-नालों के पानी के पास नहीं जाने देना चाहिए. यदि संभव हो तो बिजली के उपकरणों के उपयोग से बचें. यदि बाढ़ की स्थिति में आपको पलायन करना पड़े तो आवश्यक वस्तुएं अपने साथ रखें तथा सुरक्षित सड़कों का ही प्रयोग करें. आपदा की स्थिति में नजदीकी तहसील कार्यालय, पुलिस स्टेशन या बचाव दल से संपर्क करें. जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर प्राप्त निर्देशों का पालन किया जाए.

50 से अधिक अपराधों का कुख्यात अपराधी गोंदिया पुलिस की गिरफ्त में

नागपुर, भंडारा, गोंदिया सहित छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में चोरी की वारदातों में संलिप्त

बुलंद गोंदिया-जिले के देवरी थाना क्षेत्र में दो घटनाओं एवं डुग्गीपार थाना क्षेत्र में एक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन राज्यों के कुख्यात अपराधी नरेश महिलांगे को गोंदिया पुलिस ने पकड़ने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

स्थानिक अपराध शाखा टीम को जानकारी मिली थी कि कुख्यात आरोपी नरेश महिलांगे निवासी कलमना, नागपुर 25 जून को पांचपावली थाना क्षेत्र से क्रेटा कार व नगदी चुराकर भागा है। इस खबर के बाद जिला पुलिस चौकन्ना हो गई थी। पुलिस को तलाश के दौरान खबर मिली थी कि नागपुर से चोरी हुई क्रेटा कार कुड़वा में देखी गई है। ये खबर मिलते ही पुलिस जब कार के पास पहुँची तो आरोपी क्रेटा कार लेकर भागे। पुलिस टीम ने मरारटोली, बसंत नगर तक पीछा कर आरोपी को दबोच लिया।

कार के अंदर बैठे पकड़े गए आरोपियों में नरेश अंकालू महिलांगे उम्र 26 वर्ष निवासी कलमना, नागपुर एवं दीपक चंदू बघेले उम्र 22 साल निवासी पिपरिया तहसील खैरागढ़ जिला राजनांदगांव (छग) को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया।

जिले के थाना देवरी, डुग्गीपार एवं नागपुर में दर्ज प्रकरण के संबंध में गहनता से पूछताछ करने पर दोनों अपराधियों ने अपराध करना स्वीकार किया।

उनके पास से पु स्टे थाना देवरी जिला गोंदिया अपराध से नकद 2 लाख रूपये तथा पो. थाना लकड़गंज अपराध से 1 लाख 25 हजार रूपये तथा थाना पांचपावली नागपुर से अपराध के सबंध में क्रेटा कार कीमत 16 लाख रुपये ऐसा कुल नकद 3 लाख 25 हजार रुपये एवं क्रेटा वाहन जब्त किया गया। कुख्यात व शातिर आरोपी नरेश महिलांगे को थाना देवरी पुलिस और आरोपी दीपक चंदू बघेले को माल सहित पांचपावली नागपुर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. आगे की जांच देवरी और पचपावली पुलिस कर रही है. शातिर आपराधी आरोपी नरेश महिलांगे एक बहुत ही कुख्यात आरोपी है जिसने महाराष्ट्र के नागपुर, भंडारा, गोंदिया जिलों और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में घरों में चोरी की है। उसपर 50 से अधिक अपराध दर्ज है।उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगळे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, एसडीपीओ ताजने के मार्गदर्शन में पीआई दिनेश लबदे, संदेश केंजले, एपीआई पोपट टिळेकर, विजय शिंदे, पोउपनि विघ्नें, पाटील, सफौ.कावळे, पो.हवा.मिश्रा, मेहर, देशमुख, कोडापे, हलमारे, लुटे, भेलावे, बिसेन, शेख, तुरकर, ठाकरे, पटले, पो.शि. केदार, रहांगडाले, भांडारकर, चापोशी गौतम, पांडे, ने तथा पुलिस थाना रामनगर, रावणवाडी, गंगाझरी के पथक ने की। 26 मार्च 2023 को देवरी थाना क्षेत्र के देवरी-आमगांव रोड पर महावीर राइस मिल से 4 लाख 38 हजार एवं ग्राम नवाटोला से यादोराव पंचमवार के घर से 62 हजार रुपए के सोने के जेवर चोरी होने पर धारा 457, 380 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी तरह डुग्गीपार थाना क्षेत्र के सड़क अर्जुनी में 25 मार्च 2023 को जिला को-ऑपरेटिव्ह बैंक के चैनल का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास करने पर डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया था।

इन चोरी के मामलों पर गोंदिया पुलिस सरगर्मी से तफ्तीश व अज्ञात चोरों की तलाश कर रही थीं। इसी दौरान 28 मार्च 2023 को पुलिस ने आरोपी प्रदीप उर्फ दादू देवधर ठाकुर उम्र 30 वर्ष निवासी देवधर महतो वरभाट (छग) को गिरफ्तार कर उसके पास से 3 लाख 47 हजार का माल जब्त किया था।

पकड़े गए आरोपी प्रदीप उर्फ दादू ने तीनों चोरी के मामले अपने साथी नरेश महिलांगे के साथ किये जाने का अपराध कबूल किया था। तभी से गोंदिया पुलिस नरेश महिलांगे की तलाश नागपुर, रायपुर, राजनांदगांव में कर रही थी।

नाले में बहे व्यक्ती का मिला शव

गोंदिया-जिले में जोरदार बारिश होने से मंगलवार को छोटे नाले नदियों में बाढ़ आ गई इसी दौरान रस्ता पार करते समय साइकल सवार का संतुलन बिगड़ गया और नाले में बह गया घटना मंगलवार को घटित हुई थी, जिला खोज विभाग की ओर से खोज आभियान चलाया गया था जिसका शव आज बुधवार 28 जून को मिला है मृतक का नाम अर्जुनी मोरगाव तहसील के झरपडडा निवासी अरविंद गणपत ठाकरे बताया गया है।

राजर्षि शाहू महाराज के गुणों को अपनाकर समाज की प्रगति के लिए प्रयास करना चाहिए- पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले

बुलंद गोंदिया। लोकराज छत्रपति राजश्री शाहू महाराज की जयंती सड़क अर्जुनी स्थित पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बडोले के जनसंपर्क कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने कहा राजर्षि शाहू महाराज के गुणों को अपनाकर समाज की प्रगति के लिए कार्य करे। इस अवसर पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मीकांत धानगाये, पूर्व पंचायत समिति उपाध्यक्ष राजेश कठाने, भाजपा अल्पसंख्यक तालुका अध्यक्ष यूनिस पटेल, कृषि उपज बाजार समिति के संचालक शारदाताई बडोले, महिपाल बडोले, लोकचंदजी कापगते, राजू परशुरामकर आदि गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पैसे दुगने करने का झांसा देनेवालों के जाल में न फंसे

भंडारा इनदिनों सोशल मीडिया पर चंद दिनों में रुपए डबल करने के एप के जरिए लोगों को झांसा देकर उनसे ठगी करने के मामले सामने आ रहे है। जिले के हजारों महिला, पुरुष, युवा इसकी चपेट में आ रहे हैं। बिना किसी मान्यता के चल रहे इन एप में लोग हजारों, लाखों रुपयों का निवेश कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पिछले एक माह में जिले में अलग अलग क्रीप्टो करंसी चलाने वाले एप का उपयोग बढ़ने लगा है। ऐसे में सेबी (सिक्यूरिटी एन्ड एक्चेंज बोर्ड आफ इंडिया) की जिन एप को मान्यता नहीं है ऐसे एप का उपयोग कर निवेश करने से बचने की सलह पुलिस विभाग ने दी है। बता दे कि पिछले कुछ दिनों से प्रत्येक नुक्कड़, पानटपरी, बाजार में बोरा ट्रेडींग एप की चर्चा चल रही है। लेकिन यह ट्रेडींग एप कब बंद हो जाऐंगे इसकी गारंटी नहीं है। ऐसे में अपनी मेहनत की कमाई की जमापूंजी इसमें लगाने से बचने का आह्वान पुलिस विभाग ने किया है।

योग साधना सुखी जीवन की कुंजी है-शिक्षा अधिकारी कादर शेख

बुलंद गोंदिया। 21 जून को जिला खेल परिसर गोंदिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उद्घाटन अवसर शिक्षा अधिकारी कादर शेख ने कहा कि योग% जीवन जीने की कला है सुखी जीवन की कुंजी हैं योग अभ्यास । नेहरू युवा केंद्र की युवा अधिकारी श्रुति डोंगरे, खेल अधिकारी एबी मरास्कोले, भारत स्काउट-गाइड की जिला संगठक चेतना ब्रम्हणकर, बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक जयेश शेंडे, मोटिवेशनल स्पीकर शर्मिला पाल, शिक्षा विस्तार अधिकारी अशोक बड़ाईकर, गोंदिया जिला योग एसोसिएशन के सचिव शशांक कोसरकर, निदेशक इस अवसर पर लोक शिक्षण संस्थान के विनायक डोंगरवार, सारिका बड़ाईकर, लोक शिक्षण संस्थान के परियोजना अधिकारी केशव मेश्राम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

तनावमुक्त वातावरण बनाकर स्वस्थ जीवन जीना ही जीवन की पूंजी है। इस मौके पर कादर शेख ने अपील की कि इस मौके पर हम सभी को आदर्श और स्वस्थ नागरिक बनाने का संकल्प लेना चाहिए। योग के उद्देश्य और महत्व को समझाते हुए ए.बी.मरास्कोले ने कहा कि योग करना रोग मुक्त जीवन की कुंजी है और एक मजबूत और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण की पहल है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 का विषय वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग है जिसका अर्थ है एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य। खेल और युवा सेवा निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे के अंतर्गत जिला खेल अधिकारी का कार्यालय, जिला खेल परिषद, प्रशासन, नेहरू युवा केंद्र, भारत स्काउट-गाइड, अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ, सार्वजनिक शिक्षा संस्थान, शिव छत्रपति बहुउद्देशीय संस्थान, अथर्व बहुउद्देशीय संस्थान गोंदिया, अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संगठन, सूर्या फाउंडेशन ने 21 जून 2023 को नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में जिला खेल परिसर, मरारटोली, गोंदिया में आयोजित किया। इस अवसर पर योग के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अथर्व परमार, ओजस्वी परमार, युगांश बंसोड़, नव्या टेंभरे, सारिका पाटले, स्पृहा बडोले, स्पर्श बडोले, रविशंकर नागपुरे, विनेश फुंडे और माधुरी परमार योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक माधुरी वनकर (परमार) ने विभिन्न प्रकार के योग प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम में लगभग 300 ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन खेल अधिकारी एबी मरास्कोले ने किया तथा चेतना ब्रम्हणकर ने प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए शिवचरण चौधरी, विनेश फुंडे, ऋतुराज यादव, अंकुश गजभिए, विशाल ठाकुर, वसंत विरघरे, नरेंद्र कोचे, आकाश भगत, सुमित सूर्यवंशी, जयश्री भंडारकर ने कड़ी मेहनत की। अंत में डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड कंपनी द्वारा सभी योग खिलाड़ियों को शर्बत वितरित किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

यात्री विमान का अपरहण बिरसी एयरपोर्ट पर पर एंटी हाईजैकिंग मॉक ड्रिल

बुलंद गोंदिया। देश व राज्य में आतंकवादी गतिविधियों की घटनाएं होती है। जिले में शांति व सुरक्षा के लिए यंत्रणा की चाक-चौबंद स्थिति को परखने के लिए मॉक ड्रिल अभियान चलाया जाता है। इसी के अंतर्गत यात्री विमान अपहरण की जानकारी प्राप्त होने पर गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट पर एंटी हाईजैकिंग मॉकड्रिल जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, बिरसी विमानतल के मुख्य निर्देशक सफीक शाह के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। गौरतलब है कि आतंकवादी, नक्सलवादी हमले की स्थिति में प्रशासकीय व्यवस्था कितनी चुस्त-दुरुस्त है तथा उनमें क्या खामियां हैं इसका समय समय पर परीक्षण करने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया जाता है। यह जनता की सुरक्षा के लिए होती हैं।

इसी प्रकार की एक मॉकड्रिल 26 जून को शाम 5ः00 बजे के दौरान गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट पर एंटी हाईजैकिंग मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसी दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि 3 हथियारबंद आतंकवादियों ने आतंक फैलाने वह राज्य सरकार व जिला प्रशासन को परेशान करने के उद्देश्य से बिरसी हवाई अड्डे पर एक यात्री विमान पर घात लगाकर हमला कर दिया है। जैसे ही यह सूचना हवाई अड्डे की सुरक्षा तंत्र को मिली तो इसकी जानकारी गोंदिया जिला पुलिस विभाग को दी गई जिस पर जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस विभाग की संबंधित यंत्रणा घटनास्थल पर पहुंच गई। तथा विमान में सवार यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल अभियान चलाते हुए तीनों आतंकवादियों को धर दबोचा इस कार्रवाई के दौरान कुछ लोग घायल हो गए थे जिन्हें एंबुलेंस से शासकीय चिकित्सालय भेजा गया वह फंसे हुए यात्रियों को विमान से सुरक्षित रूप से निकाला गया। इस एंटी हाईजैकिंग मॉक ड्रिल के दौरान संपूर्ण एयरपोर्ट परिसर में यात्रियों के सामान की तलाशी ली गई क्योंकि एयरपोर्ट पर विस्फोटक रखे जाने की भी आशंका थी साथ ही फॉरेंसिक तकनीकी के माध्यम से घटनास्थल की संपूर्ण जांच की गई वह गिरफ्तार किए गए 3 आतंकवादियों में से 2 की इस कार्रवाई के दौरान मौत हो गई जिनके शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेजा गया तथा वही जिंदा पकड़े गए एक आतंकवादी को इस जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंपा गया। इस दौरान बाधित यातायात को सुरक्षाकर्मियों की सहायता से सुचारू रूप से कर एयरपोर्ट पर फैली अव्यवस्था पर नियंत्रण पाया गया। एंटी हाईजैकिंग मॉकड्रिल गोंदिया के जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, बिरसी हवाई अड्डे के मुख्य निर्देशक सफीक सहा, उपविभागीय पोलीस अधिकारी सुनील ताजने, पुलिस उप अधीक्षक श्रीमती नंदिनी चांदपुरकर के मार्गदर्शन में आतंकवादी निरोधक दस्ता, बीडीडीएस दस्ता, पुलिस मुख्यालय का विशेष पुलिस पथक, पुलिस निरीक्षक रावणवाड़ी, गोंदिया ग्रामीण के पुलिस दल, अंगुली मुद्रा विभाग, विमान सुरक्षा बल व स्टाफ, चिकित्सकीय दल, अग्निशमन दल, त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी), दंगा नियंत्रण आरसीपी 2 दस्ते, वायरलेस विभाग ,मोटर परिवहन विभाग, यातायात शाखा, जिला सुरक्षा शाखा, जिला विशेष शाखा, नक्सल सेल के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। एंटी हाईजैकिंग मॉक ड्रिल के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई तथा यह मॉक ड्रिल 26 जून को शाम 5ः00 से 6ः05 के दौरान संपन्न हुई। भविष्य में आतंकवादियों, नक्सलियों के हमले में की स्थिति में पुलिस को क्या करना चाहिए वह किस प्रकार की स्थिति बनाए रखने के लिए नागरिकों को क्या सहयोग देना चाहिए तथा भविष्य में नागरिक सतर्क व जागरूक रहें ,उग्रवादी ,आतंकवाद ,नक्सलवाद से संबंधित कोई भी जानकारी या सुझाव प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम गोंदिया के संपर्क क्रमांक 07182-236100 गोंदिया जिला प्रशासन व पुलिस दल की ओर पुलिस दल डायल 112 पर संपर्क कर सूचित करने की अपील की गई है।

गोवर्धन गोवंश सेवा केंद्र योजना गौशालाओं को मिलेगा 25 लाख तक का अनुदान 19 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

बुलंद गोंदिया। जिले में गौपालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार ने इस वर्ष गौशालाओं को अनुदान देने की योजना पुनः प्रारंभ की है। इस योजना को गोवर्धन गोवंश सेवा केंद्र नाम दिया गया है, जिसके तहत गोंदिया जिले के प्रत्येक तहसील में एक गौशाला को न्यूनतम 15 लाख रुपये और अधिकतम 25 लाख रुपये का अनुदान दिया जायेगा।

अनुदान इस प्रकार होगा

गोवर्धन गोवंश सेवा केंद्र योजना के तहत 50 से 100 पशुधन वाली गौशालाओं के लिए 15 लाख रुपये, 101 से 200 पशुधन वाली गौशालाओं के लिए 20 लाख रुपये और इससे अधिक पशुधन वाली गौशालाओं के लिए 25 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। 200 पशुधन. निर्धारित मापदंड पूरा करने पर पहले चरण में 60 प्रतिशत और दूसरे चरण में 40 प्रतिशत आर्थिक सहायता दी जाएगी।

ऐसे करें आवेदन

यह सब्सिडी योजना पहले भी शुरू की गई थी. लेकिन पिछले कुछ सालों से यह बंद था. इस वर्ष इसे फिर से पुनर्जीवित किया गया है। इस अनुदान का लाभ उठाने के लिए उम्मीदवारों को 19 जुलाई 2023 तक प्रस्ताव जमा करना होगा। आवेदन पत्र पंचायत समिति में पशुधन विकास अधिकारी (विस्तार) या जिला पशुपालन उपायुक्त, गोंदिया के कार्यालय से प्राप्त किया जाना चाहिए।

लाभार्थी चयन मानदंड

गोवर्धन गोवंश सेवा केंद्र योजना का लाभ उठाने के लिए उक्त संगठन को चैरिटी कमिश्नर के साथ पंजीकृत होना चाहिए। संस्था के पास पशुपालन में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। संगठन के पास पशुधन पालन के साथ-साथ केंद्र में पशुओं के लिए आवश्यक खाद/चारा के उत्पादन के लिए 30 साल के पट्टे पर कम से कम 5 एकड़ भूमि होनी चाहिए। संगठन के पास योजना के तहत मांगे गए कुल अनुदान का कम से कम 10 प्रतिशत कार्यशील पूंजी होनी चाहिए। संगठन का पिछले 3 वर्षों का ऑडिट किया गया होना चाहिए। संस्था गोसेवा/गाय पालन कार्य के लिए पशुपालन आयुक्त, महाराष्ट्र राज्य, पुणे के साथ एक समझौता करने के लिए बाध्य होगी। संबंधित संस्था का किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता होना चाहिए।संस्था को संस्था पर कार्यरत कर्मचारियों/मजदूरों के वेतन आदि का खर्च देने में आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। इस योजना के अंतर्गत जिस विषय पर सब्सिडी उपलब्ध करायी जायेगी उसी विषय में भविष्य में कोई नई सब्सिडी उपलब्ध नहीं करायी जायेगी। जिन संस्थाओं के पास पशुधन के रख-रखाव एवं चारे के लिए स्वयं की आय का साधन है, उन्हें प्राथमिकता दी जायेगी। अनुदान केवल मूलभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए सरकारी विभाग की पूर्व अनुमति से ही स्वीकार्य होगा। प्रशासनिक विभाग की पूर्व अनुमति के बिना मूलभूत सुविधाओं का निर्माण करने की स्थिति में ऐसी मदों के लिए योजना के तहत कोई अनुदान स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

इस योजना में मुख्य रूप से निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं के लिए अनुदान का भुगतान किया जाएगा- पशुधन के लिए नए शेड का निर्माण, चारा, पेयजल व्यवस्था और उर्वरक उत्पादन के लिए पानी की उपलब्धता के लिए कुआं/बोरवेल, चारा कटाई के लिए इलेक्ट्रिक कडबक्कुट्टी मशीन, पोल्ट्री प्लांट, वर्मीकम्पोस्टिंग संयंत्र, गोमूत्र, गाय के गोबर से उत्पादन। संस्थानों के प्रस्ताव में उपरोक्त वस्तुओं को शामिल किया जाना चाहिए ताकि परियोजनाओं और बिक्री केंद्रों आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए अनुदान दिया जा सके। पुराने शेडों की मरम्मत के लिए इस योजना से कोई सब्सिडी नहीं मिलेगी।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जिला स्तर की विभिन्न योजनाओं, कृषि/पशुपालन विभाग के माध्यम से कार्यान्वित चारा उत्पादन योजनाओं से इन गौशालाओं को खेती के लिए बीज, उर्वरक, खाद, हाइड्रोपोनिक, सूखा चारा उत्पादन/गीला चारा उत्पादन करने के लिए लाभ स्वीकार्य होंगे। इसके अलावा बीमार पशुओं के लिए आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाएं निकटतम पशु चिकित्सालय के माध्यम से इन गौशालाओं को उपलब्ध करायी जानी चाहिए। गोवर्धन गोवंश सेवा केंद्र योजना के तहत पहले प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा, इसलिए इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में नया आवेदन जमा करना अनिवार्य है। यह अपील जिला पशुपालन उपायुक्त डॉ. श्रीधर बेदारकर ने की है। अधिक जानकारी के लिए कृपया जिला पशुपालन उपायुक्त कार्यालय, डॉ. अम्बेडकर चौक, कुडवा (गोंदिया) में व्यक्तिगत रूप से मिलें या कार्यालय के फोन नंबर 07182-250438 पर संपर्क करें।

काँग्रेस जिलाध्यक्ष दिलीप बंसोड एवं जिला उपाध्यक्ष अशोक गप्पू गुप्ता को बड़ा झटका

डॉ सुनिल देशमुख की अध्यक्षता में होगी जांच

बुलंद गोंदिया। जिल्हा काँग्रेस बचाव समिती के आंदोलन को भेट देणे हेतू एड अभिजीत वंजारी गोंदिया जिले के प्रभारी तथा पर्यवेक्षक ने दिनांक 22 जून को भेट देकर सभी आंदोलनकारी पदाधिकारियों से बात कर गोंदिया जिले की समस्या को जाने का प्रयास किया और उन्होने आग्रह किया था की अब ये आंदोलन समाप्त कर लो किंतु इसे पहले भी प्रदेश के उपाध्यक्ष नाना गावंडे 4 जून को आये हुए थे और उन्होने विश्वास दिलाय की कारवाई जल्द से जल्द होगी किंतु 10 दिनों का निर्धारित समय जाने के बाद उन्होने आंदोलनकारियो से बात भी नही की थी इसलिये अभिजीत वंजारी के निवेदन को न मानते हुए सबने अपनी बात रखी की एक जाच कमिटी बनाकर पहले जाच सुरू कीजिए तब हम अपना आंदोलन समाप्त करेंगे और 24 घंटे के अंदर अभिजीत वंजारी ने प्रदेशाध्यक्ष नानाभाऊ पटोले से चर्चा करके एक जाच समिती का गठन किया और जाच समिती के अध्यक्ष के रूप मे अमरावती जिले के पूर्व पालकमंत्री डॉक्टर सुनील देशमुख को बनाया गया। इससे जिल्हाध्यक्ष दिलीप बंसोड तथा गप्पू गुप्ता को बडा झटका लगा है । जिस तरीके से वह पार्टी मे गुडबाजी तथा भाजपा के साथ मे गटबंधन कर पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे हैं और अपने व्यापार को बढ़ावा दे रहे थे काही ना काही अब ये जांच में सामने आयेगा और इससे उन्हे पदमुक्त भी होना पडेगा। वंजारी ने भरोसा दिया है की निष्पक्ष रूप से जाच होगी और निष्ठावान काँग्रेस के पदाधिकारी न्याय मिलेगा उसके बाद पुरे जिले मे काँग्रेस के संघटन को मजबूत करने मे भी वह अपना पुरा संयोग प्रदान करेंगे और सबके कार्यो पर पुरी नजर भी रखेंगे वंजारी की तत्परता और प्रदेश कमेटी के पत्र को मान देते हुए कांग्रेस बचाओ समिति ने अपना आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया । पर्यवेक्षक वंजारी ने आंदोलनकर्ता जितेश राणे, (किसान कांग्रेस जिलाअध्यक्ष) विनोद जैन (पूर्व प्रदेश सचिव) जहीर अहमद (शहर अध्यक्ष) राजीव ठकरेले (जिला अध्यक्ष सेवादल) आलोक मोहंती (जिलाध्यक्ष सहकार), अनीता मुनेश्वर (तहसील महिला अध्यक्षा) सूर्यप्रकाश भगत (तहसील अध्यक्ष गोंदिया) डेमेंद्र राहांगडाले (तहसील अध्यक्ष गोरेगांव) गुड्डू बोपचे (तहसील अध्यक्ष किसान कांग्रेस गोरेगांव) इत्यादि लोगों को दूध पिलाकर आंदोलन को विधिवत समापन किया साथ ही कांग्रेस बचाओ समिति ने भी उनको एक पत्र दिया कि निर्धारित समय में ही पूर्ण जांच होनी चाहिए तब तक की संपूर्ण जिम्मेदारी यह अभिजीत वंजारी की होगी। समापन में प्रदेश के सचिव अमर वराडे, पीजी कटरे, सुरेश चौरागढ़, चमन भाऊ बिसेन, रंजीत गणवीर, जीवन शरणागत, हरीश तुलसकर, रुपाली ऊके, चित्रा लोखंडे, दिलीप गौतम, रवि रिनाईत, लोकनायक राहंगडाले, राजेंद्र चिंदालोरे, कृष्णा बिभर, अजय राहंगडाले, मनीष चौहान, नामदेव वैद्य, विजय कटरे, प्रकाश ब्राम्हणकर, तेजराम फुंडे, शैलेश बहेकार, सारंग भेलावे, श्रीकांत बंसोड, एड शैलेन्द्र गडपायले, लोकचंद धुर्वे इत्यादि मान्यवर पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।